UP Board Solutions for Class 8 Hindi Chapter 4 विभक्तीनां प्रयोगा (अनिवार्य संस्कृत)

अभ्यास

प्रश्न 1.
उच्चारण करें
नोट – विद्यार्थी स्वयं उच्चारण करें।

प्रश्न 2.
एक वाक्ये में उत्तर दें
(क) दारिद्रयेण किं विनश्यति?
उत्तर :
दारिद्रयेण बलम् विनश्यति।
(ख) वन्द्यः कः भवति?
उत्तर :
यस्य लक्ष्मीः दानाय, यस्य विद्या सुकृताये, यस्य चिन्ता परब्रह्म-विनिश्चयाये, यस्य वचांसि परोपकाराय सः वन्द्यः।

(ग) श्रोत्रस्य भूषणं किं भवति?
उत्तर :
श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भवति।

(घ) बान्धवः कः भवति?
उत्तर :
उत्सवे व्यसने दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे राजद्वारे श्मशाने च यः तिष्ठति सः बान्धवः।

प्रश्न 3.
अधोलिखित पदों में लगे विभक्तियों को बताइए।

पद		**विभक्ति**
दानाय	–	चतुर्थी
वचांसि	–	प्रथमा
विषात्	–	पंचमी
श्रोत्रस्य	–	चतुर्थी

प्रश्न 4.
'पुष्प' शब्द के अलग-अलग विभक्तियों के सात रूप दिए गए हैं। उचित रूप का चयन कर वाक्य पूरा करें (वाक्य पूरा करके)
(क) पुष्पम् विकसति।
(ख) पुष्पाणि आनय।
(ग) पुष्पात सुगन्धं प्रसरति।
(घ) पुष्पैः आपणं गच्छ।

(ङ) पुष्पेषु मधु गृहीत्वा भ्रमरः उड्डयति।
(च) पुष्पेभ्यः माला आकर्षक भवति।
(छ) पुष्पाणाम् भ्रमराः गुञ्जन्ति।

प्रश्न 5.
संस्कृत में अनुवाद करें संस्कृत अनुवाद
(क) दरिद्रता से बल नष्ट होता है।
अनुवाद : दारिद्रयेण बलम् विनश्यति।

गुण से रूप की शोभा होती है।
अनुवाद : गुणो भूषयते रूप।

सोने को अपवित्र स्थान से भी ग्रहण कर लेना चाहिए।
अनुवाद : अमेध्यादपित ग्राहयम काञ्चनम्।

हाथ की शोभा दान से होती है।
अनुवाद : हस्तस्य भूषणं दान।

परोपकारी पूज्य होता है।
अनुवाद : परोपकारी वन्दनीयः अस्ति।

प्रश्न 6.
हिन्दी में अनुवाद करें हिन्दी अनुवाद
(क) शीलं भूषयते कुलम्।
अनुवाद : शील से कुल की शोभा होती है।

समान-शील-व्यसनेषु सख्यम्।।
अनुवाद : कार्यों में समान गुण से मेला होता है।

विषादप्यमृतं ग्राह्यम्।।
अनुवाद : विष से भी अमृत ग्रहण कर लेना चाहिए।

हस्तस्य भूषणं किम् अस्ति?
अनुवाद : हाथ की शोभा किससे होती है?

(ङ) बान्धवः कः भवति?
अनुवाद : बन्धु कौन होता है?

प्रश्न 7.
सही जोड़े बनाइए-

https://www.evidyarthi.in/

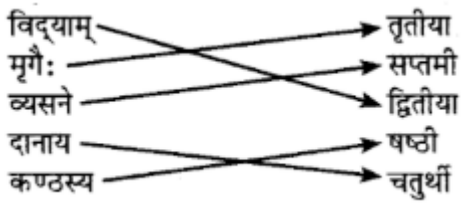
विद्याम्
मृगैः
व्यसने
दानाय
कण्ठस्य
तृतीया
सप्तमी
द्वितीया
षष्ठी
चतुर्थी